an>

Title: Need to accord classical language status to Marathi language.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) : अध्यक्ष महोदया, हमारे देश के राज्यों में विभिन्न प्रांतीय भाषाएं बोली जाती हैं। महाराष्ट्र राज्य का क्षेत्रफल काफी बड़ा है, चाहे राज्य की आर्थिक नगरी मुम्बई हो या अन्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्र हों, इन सभी जगहों पर मराठी भाषी लोग रहते हैं।

20.00 hours

इसके साथ-साथ दूसरे राज्यों से आ कर बसने वाले लोग भी बड़े सरल और सुगम तरीके से मराठी बोलते हैं। मराठी भाषा हिंदी भाषा की तरह ही बड़ी सरल और सुगम है। इसको ग्रामीण क्षेत्रों और अति पिछड़े क्षेत्रों में भी अनपढ़ लोगों द्वारा प्रयोग में लाए जाने पर भी बलवती समझा जा सकता है। महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि मराठी भाषा को अभिजात्य भाषा का दर्जा प्राप्त हो, इसके लिए सरकार द्वारा शीघ्र ही कार्यवाही की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं

श्री राजीव सातव को श्री नाना पटोले द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।